बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



परमेश्वर ने जो वाटिका तैयार की

जीवन की शुरुआत, परमेश्वर की देखभाल और पहले परिवार की कहानी।



पृथ्वी प्रतीक्षा कर रही थी

जब परमेश्वर ने पृथ्वी और आकाश बनाए, तब तक वर्षा नहीं हुई थी और खेतों में पौधे नहीं उगे थे। भूमि से कुहरा उठता और सारी मिट्टी को सींचता था।



परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया

तब परमेश्वर ने भूमि की मिट्टी से मनुष्य को बनाया। उसने उसकी नासिका में जीवन का श्वास फूँका, और मनुष्य जीवित हो गया।



अदन में एक वाटिका

परमेश्वर ने पूर्व की ओर अदन में एक वाटिका लगाई। वहाँ उसने उस मनुष्य को रखा जिसे उसने बनाया था, और उसके लिए जीवन से भरा घर तैयार किया।



सुन्दर और अच्छे पेड़

परमेश्वर ने ऐसे पेड़ उगाए जो देखने में सुन्दर और खाने के लिए अच्छे फल वाले थे। वाटिका के बीच में जीवन का वृक्ष और भले-बुरे के ज्ञान का वृक्ष था।

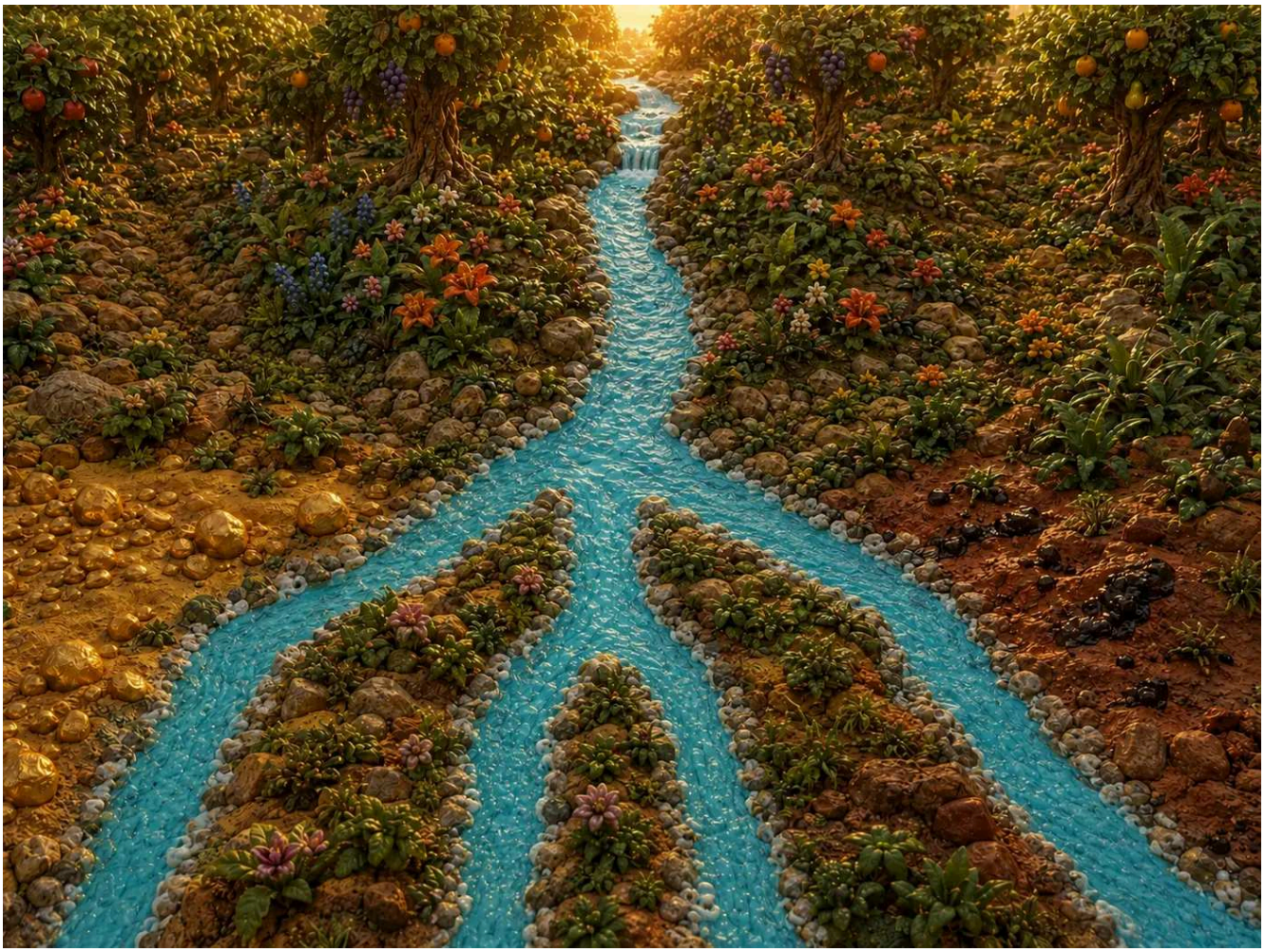

एक नदी वाटिका को सींचती थी

अदन से एक नदी निकलती थी जो वाटिका को सींचती और फिर चार धाराओं में बँट जाती थी: पीशोन, गीहोन, हिद्दे केल और फरात। उनके आसपास सोना और बहुमूल्य पत्थर भी थे।



आदम के लिए एक काम

परमेश्वर ने आदम को वाटिका में रखा ताकि वह उसकी खेती और देखभाल करे। काम उस अच्छे घर का एक हिस्सा था जिसे परमेश्वर ने तैयार किया था।



एक महत्वपूर्ण आज्ञा

परमेश्वर ने कहा कि वह वाटिका के हर वृक्ष का फल खा सकता है, केवल भले-बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल नहीं। यदि वह उसका फल खाएगा तो मृत्यु को जानेगा।



अकेला रहना अच्छा नहीं

परमेश्वर ने कहा, ‘मनुष्य का अकेला रहना अच्छा नहीं। मैं उसके लिए एक ऐसी संगिनी बनाऊँगा जो उसके योग्य हो और उसकी सहायता करे।’ परमेश्वर जानता था कि आदम को क्या चाहिए।



परमेश्वर पशुओं को आदम के पास लाया

परमेश्वर ने मैदान के पशु और आकाश के पक्षी बनाए थे। वह उन्हें आदम के पास लाया ताकि देखे कि वह उनका क्या नाम रखता है।



आदम ने उन्हें नाम दिए

आदम ने पशुओं और पक्षियों के नाम रखे। उसने देखा कि बहुतों के साथी थे, पर अपने लिए उसे कोई योग्य संगिनी नहीं मिली।



परमेश्वर ने स्त्री को बनाया

परमेश्वर ने आदम को गहरी नींद में सुला दिया। उसने उसकी पसली में से एक भाग लिया और उससे स्त्री को बनाया। फिर वह उसे आदम के पास लाया।



आदम के लिए संगिनी

उसे देखकर आदम आनन्दित हुआ और बोला, ‘अब यह मेरी हड्डियों में की हड्डी और मेरे मांस में का मांस है।’ वह समझ गया कि हव्वा उसकी संगिनी और उसी के समान एक व्यक्ति है।



परमेश्वर के सामने शान्ति

परमेश्वर ने ठहराया कि पुरुष और स्त्री एक होकर परिवार बनाएं। आदम और हव्वा नग्न थे, फिर भी उन्हें लज्जा नहीं थी; वे परमेश्वर के सामने और एक-दूसरे के साथ शान्ति से रहते थे।